जनवाचन आंदोलन

बाल पुस्तकमाला

“ किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं
किताबों में रॉकेट का राज है
किताबों में साइंस की आवाज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में ज्ञान की भरमार है
क्या तुम इस संसार में नहीं जाना चाहोगे?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं ”

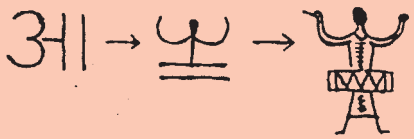

–सफ़दर हाश्मी

**अक्षरों में न जाने कितने सारे जानवर,
पक्षी, इंसान, घर आदि छिपे हैं।
इस पुस्तक में युगपुरुष श्री विष्णु चिंचालकर ने
अक्षरों की केवल कुछ संभावनाएं दिखाई हैं।
बच्चे खुद ही उनमें कितने नए-नए चेहरे खोजेंगे।
धीरे-धीरे ये बेजान अक्षर बच्चों के गहरे मित्र बन जाएंगे।**

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

मूल्य: 10 रुपए B - 4 Price: 10 Rupees

अक्षर चित्र

विष्णु चिंचालकर

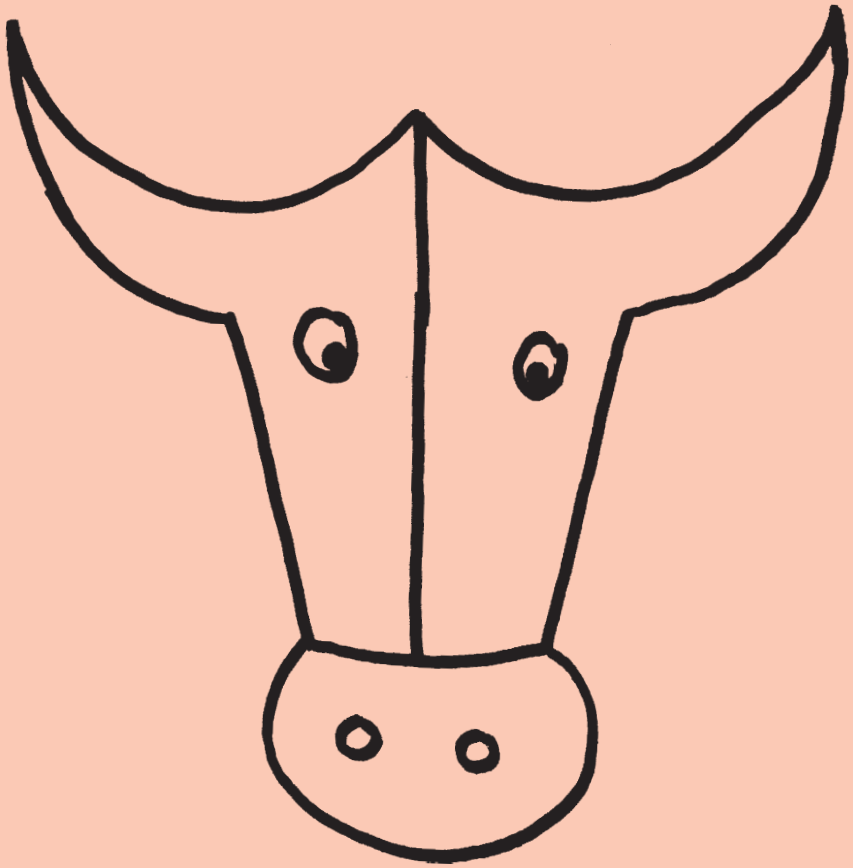

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने देश भर में चल रहे साक्षरता अभियानों में उपयोग के लिए किया गया है। जनवाचन आंदोलन के तहत प्रकाशित इन किताबों का उद्देश्य गाँव के लोगों और बच्चों में पढ़ने-लिखने की रुचि पैदा करना है।

अक्षर चित्र : *Akshar Chitra*
विष्णु चिंचालकर : *Vishnu Chinchalkar*

जनवाचन बाल पुस्तकमाला के तहत भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित

© सर्वाधिकार सुरक्षित,
भारत ज्ञान विज्ञान समिति

रेखांकन : अविनाश देशपांडे
लेजर ग्राफिक्स: अभय कुमार झा

प्रकाशन वर्ष: 1997, 1999, 2000,
2002, 2003, 2005

मूल्य: 10 रुपए
Price : 10 Rupees

Bharat Gyan Vigyan Samithi
Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block
Saket , New Delhi - 110017
Phone : 011 - 26569943
Fax : 91 - 011 - 26569773
email: bgvs@vsnl.net

अक्षर चित्र

विष्णु चिंचालकर

अक्षर चित्र

अगर किसी चीज को खेल की भावना से किया जाए तो उसमें बच्चों को बहुत आनंद आता है। दूसरी ओर अगर काम को रटकर बिना समझे किया जाए तो उसमें मन नहीं लगता है और वह बहुत जल्दी ही एक बोझ बन जाता है। वर्णमाला इसका एक बहुत अच्छा उदाहरण है। क, ख, ग, या A, B, C के अक्षर बच्चों को बार-बार लिखकर सिखाए जाते हैं। ये आकृतियां बहुत ही अमूर्त हैं, परंतु बार-बार अभ्यास करके सभी बच्चे उन्हें लिखना सीख जाते हैं। अगर बच्चे इन अक्षरों में कुछ आम जीवन की चीजें देखना सीख जाएं, तो वे खेल-खेल में ही अक्षरमाला सीख जाएंगे। तब वर्णमाला उन पर बोझ न बनकर उनकी कल्पना को और अधिक उड़ान देगी।

यहां पर दिखाए गए सभी अक्षर चित्रों को श्री विष्णु चिंचालकर ने बनाया है। गुरुजी के नाम से लोकप्रिय श्री चिंचालकर को, बच्चों के साथ काम करने का 60 साल से भी अधिक का अनुभव है। यहां गुरुजी ने हिंदी-अंग्रेजी के अक्षरों से चित्र बनाने की कुछ संभावनाएं दिखाईं हैं। अक्षरों में न जाने कितने सारे जानवर, पक्षी, लोग, घर आदि छिपे हैं। अगर बच्चे इन अक्षरों को प्यार से उल्टा, सीधा करके देखेंगे तो उन्हें खुद ही उनमें बहुत सारे नए-नए चेहरे दिखेंगे। धीरे-धीरे ये बेजान अक्षर बच्चों के गहरे मित्र बन जाएंगे। वे अपनी कल्पना से उनमें ऐसी नई-नई चीजें देखेंगे, जिन्हें हमने और आपने कभी सोचा भी नहीं होगा।

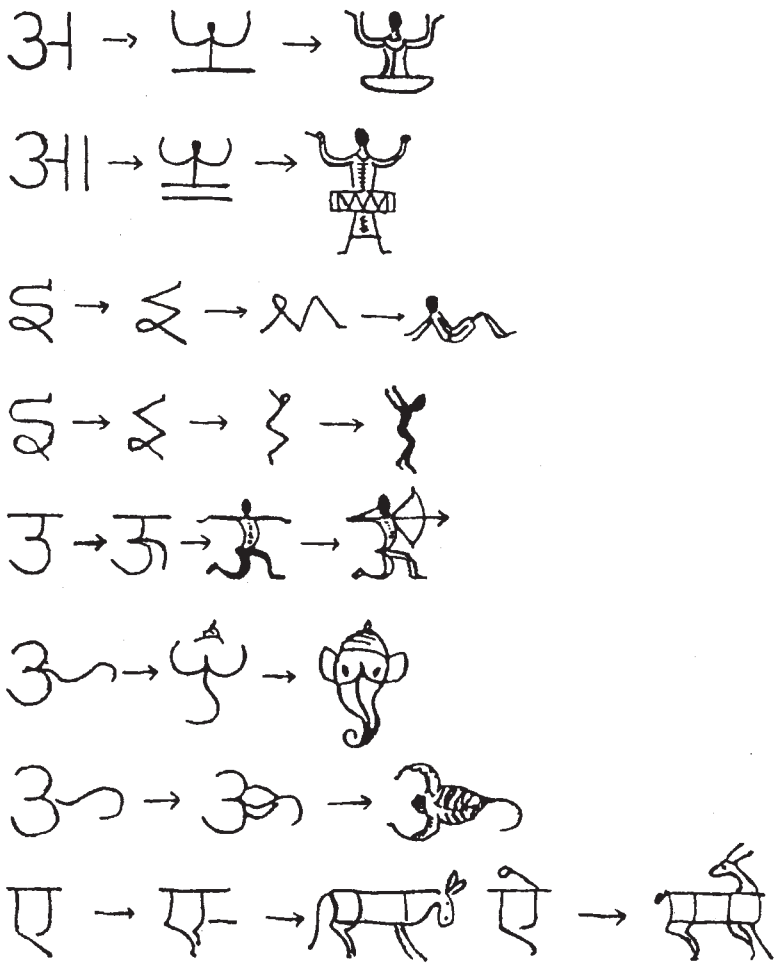

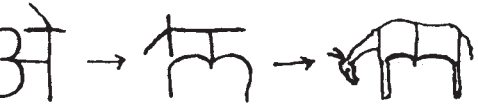

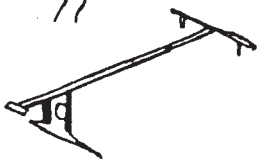

अे
ओ
अः
क
ख
ग + ण → गण
घ
त
न

ज
ठ
ट
न
A

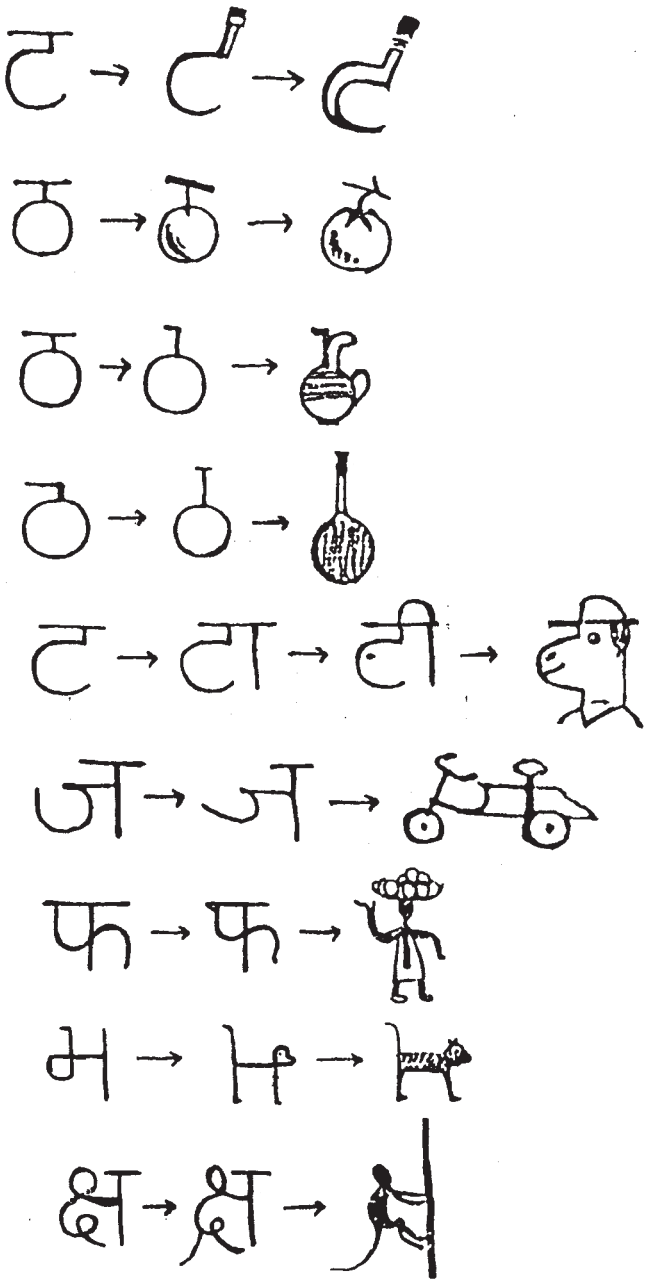
ट → ट → ट
ठ → ठ → ठ
ठ → ठ → ठ
ठ → ठ → ठ
ट → टा → टी → टी
ज → ज → ज
फ → फ → फ
म → म → म
क्ष → क्ष → क्ष

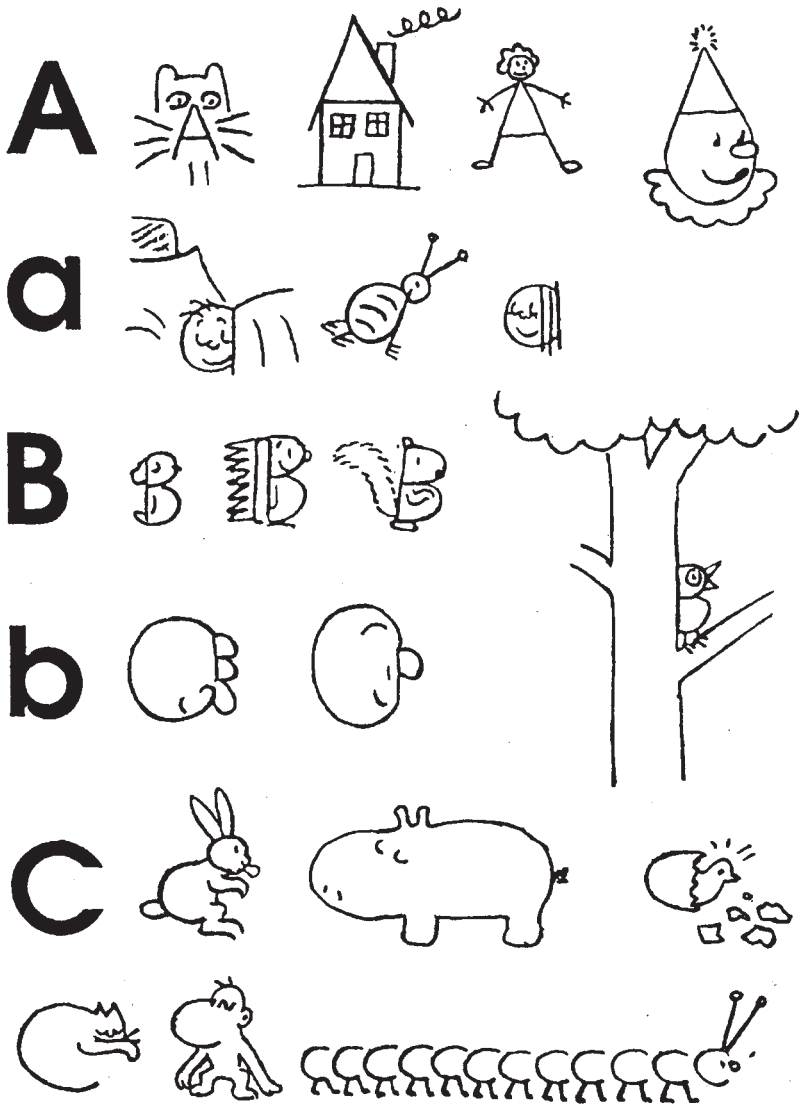
A
a
B
b
C

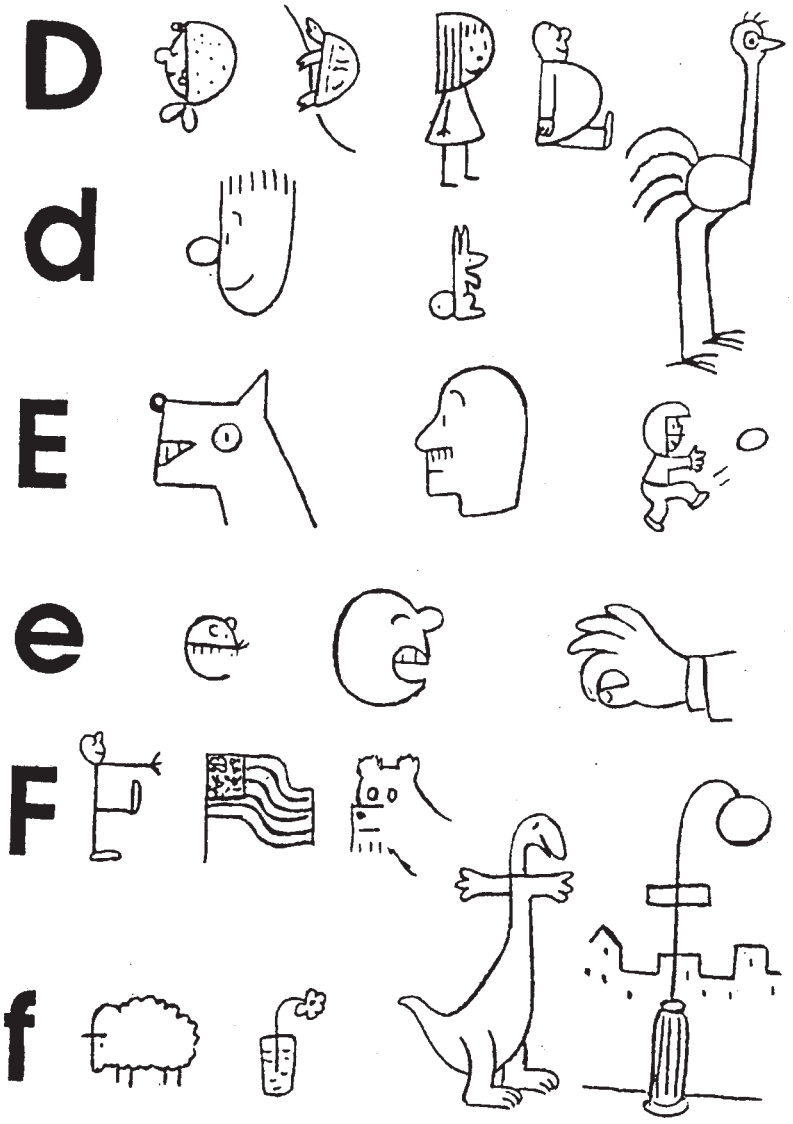
D
d
E
e
F
f

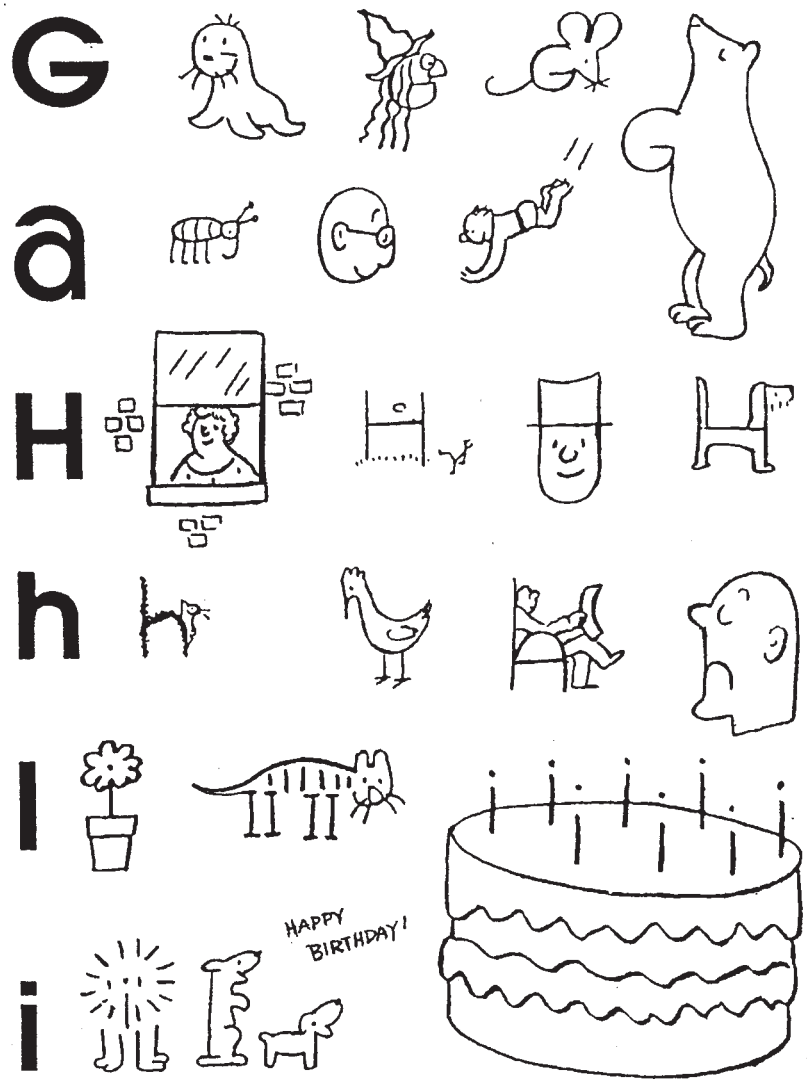
G
a
H
h
I
i
HAPPY
BIRTHDAY!

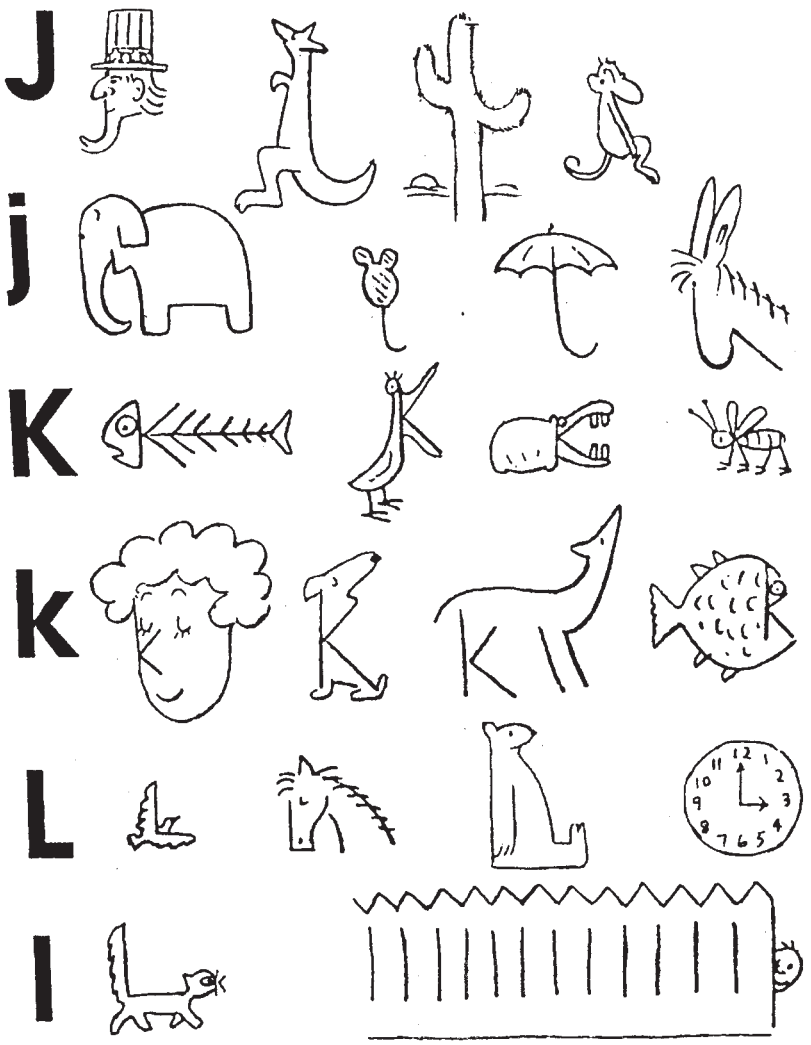
J
j
K
k
L
l

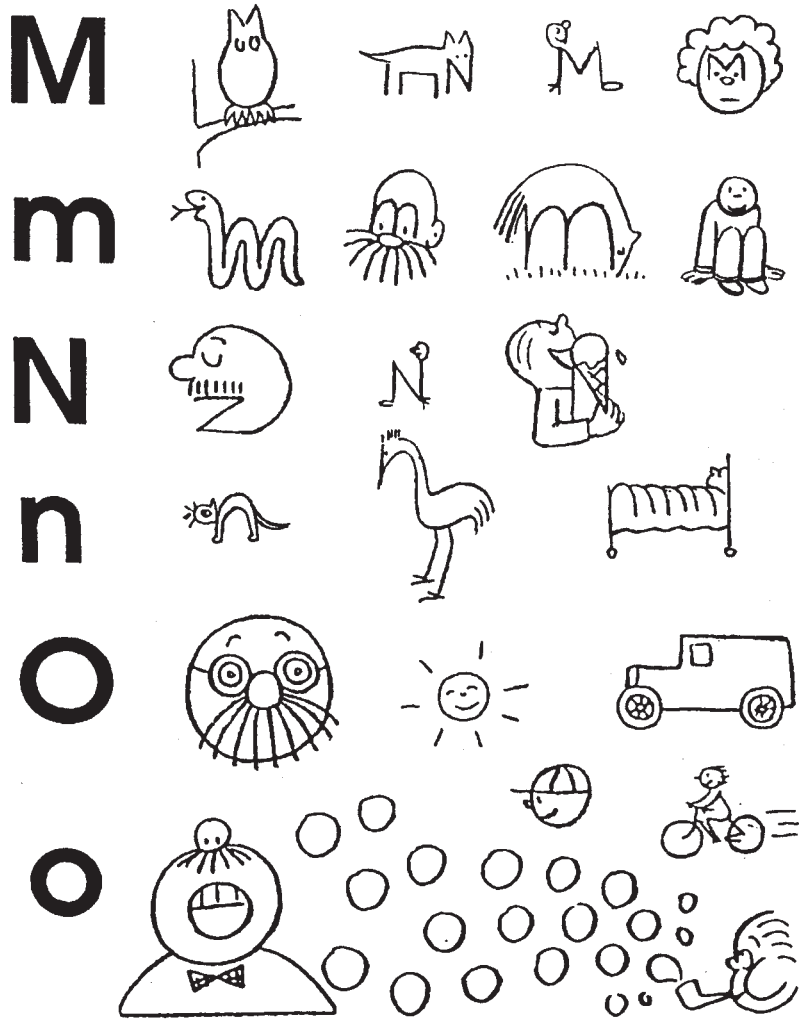
M
m
N
n
O
o

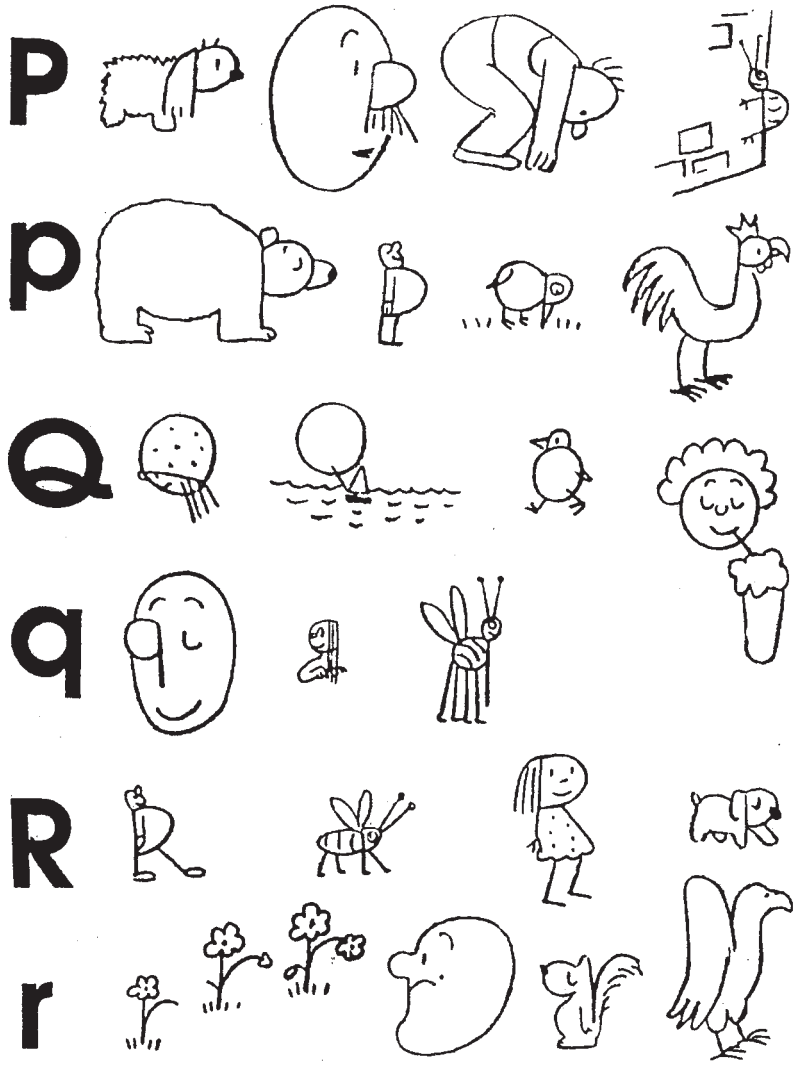
P
p
Q
q
R
r

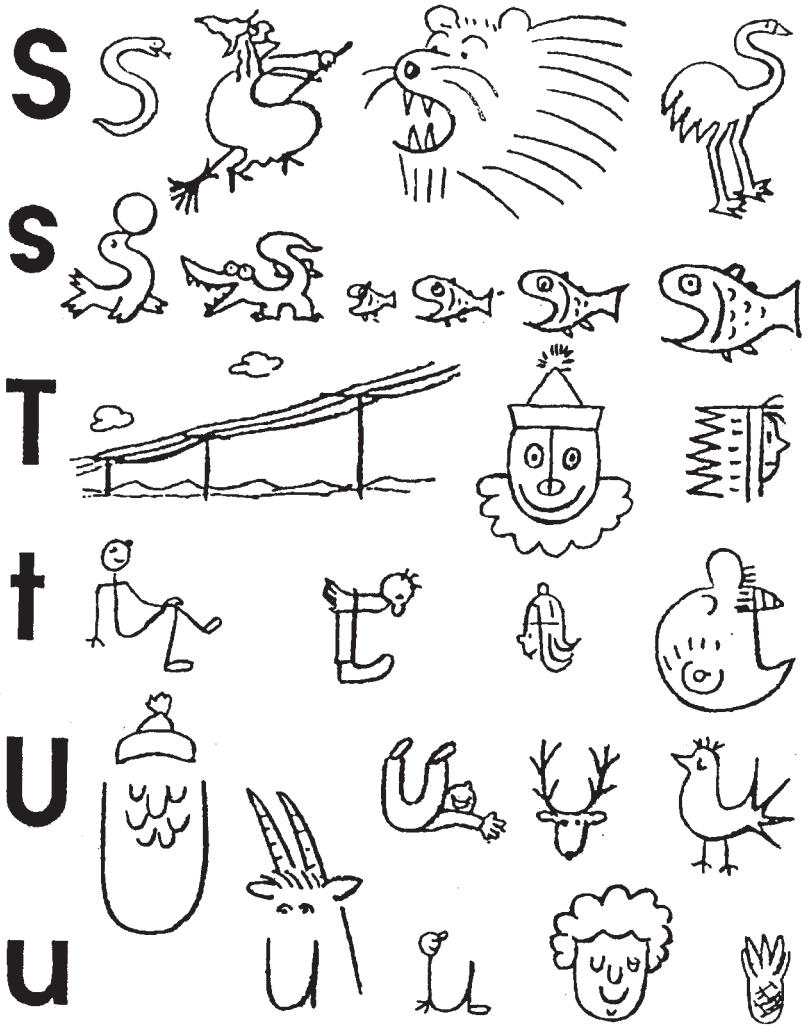
S
s
T
t
U
u

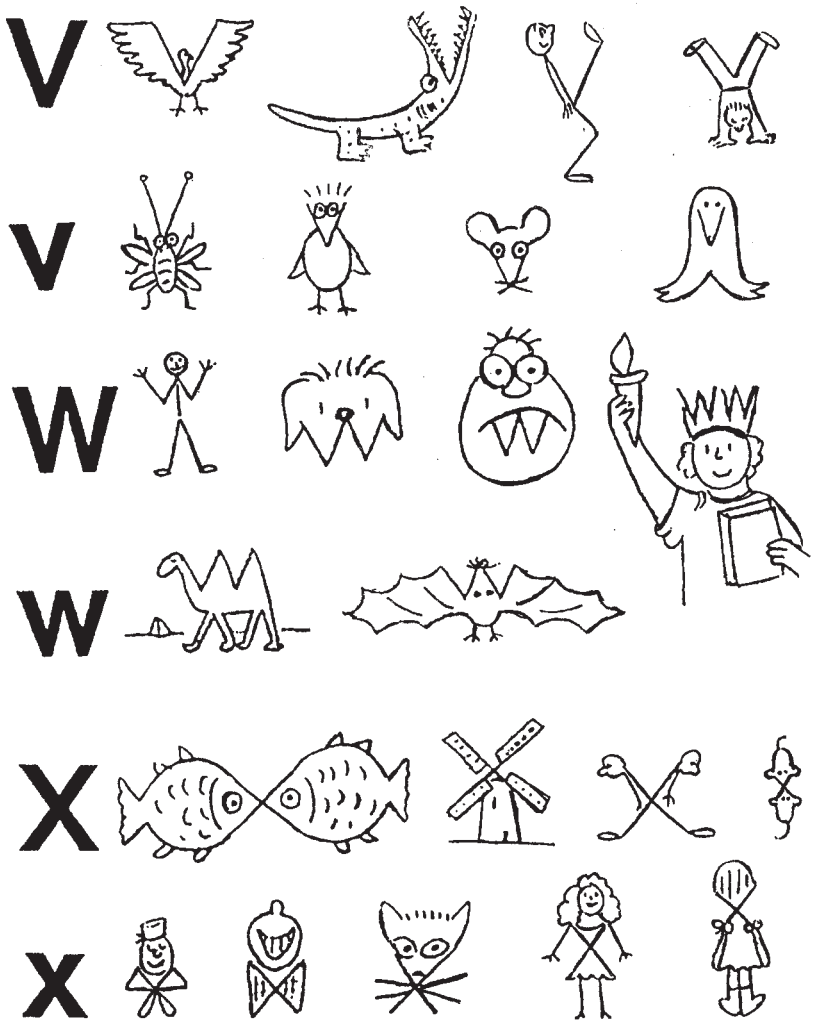
V
v
W
w
X
x

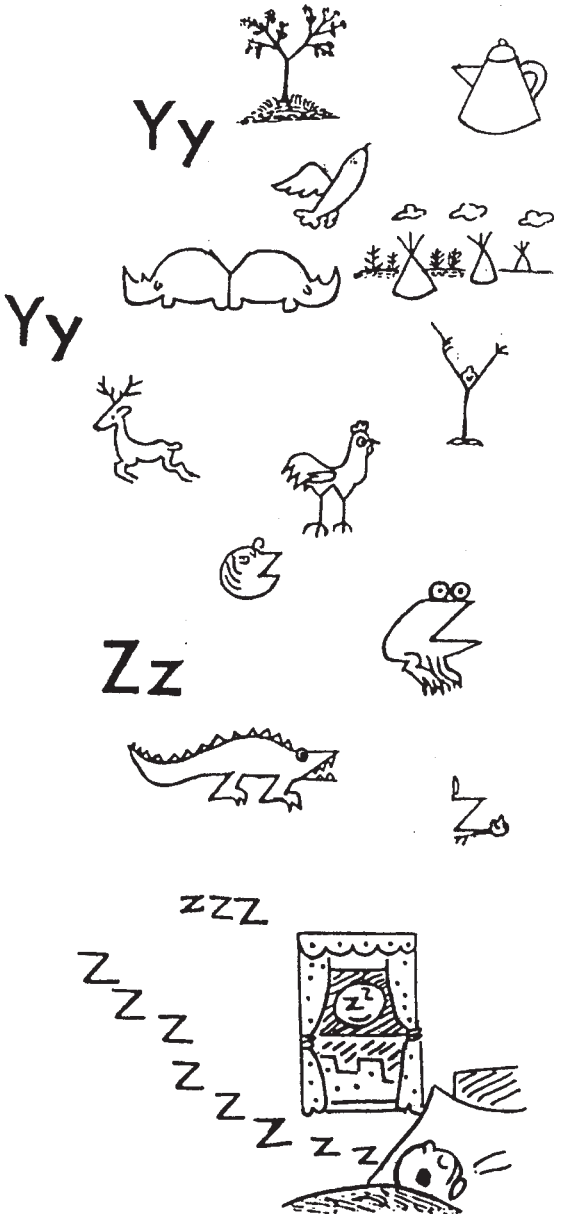
Yy
Yy
Zz